

ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश
जोतपुर, दुलमपुर और महुआपाली के लिए पर्यावरण मंजूरी
डोलोमाइट खदान की क्षमता 1,00,000 टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2,00,198
टन प्रति वर्ष करना

क्र .	आवेदक	टीओआर की संख्या और तारीख	भूमि खसरा	आवेदित पट्टे का क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	वार्षिक उत्पादन क्षमता (टन)में	आवेदित भूमि का पता	क्लस्टर क्षेत्र (हेक्टेयर)
1	मेसर्स आर्यन मिनरल्स एण्ड मेटल्स प्राईवेट लिमिटेड डॉयरेक्टर सुशील कुमार अग्रवाल	TO24B0108CG5863554 N , दिनांक 03/11/2025	160/1क, 160/1ख, 160/1ग, 160/1घ, 160/1ड, 160/1च, 160/1छ, 160/2क, 160/2ख, 160/2ग, 160/2घ, 160/2ड, 16789/21, 16789/20, 16789/35, 16789/36, 16789/55, 16789/22, 16789/37, 106/9, 106/14, 106/15, 106/17, 106/11, 106/13, 106/24, 106/25	4.961	उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 2,00,198 करना।	ग्राम – जोतपुर, दुलमपुर एवं महुआपाली , तहसील– सरिया, जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ छत्तीसगढ़	14.02

आवेदक का नाम और पता

डॉयरेक्टर – सुशील कुमार अग्रवाल
 पता– ग्राउंड फ्लोर, 53/53ए, कृष्णा क्राउन,
 डिमरापुर रोड, जगतपुर, रायगढ़,
 जिला और तहसील – रायगढ़ (छत्तीसगढ़)
 पिन कोड – 496001

पर्यावरण सलाहकार

अल्ट्रा टेक

(पर्यावरण प्रयोगशाला और परामर्श)

एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए परामर्श संगठन
 NABET प्रत्यायन संख्या – NABET/EIA/24-27/RA/0378
 वैधता – 18/10/2027 तक

विषयसूची

1.0 परियोजना का नाम और स्थान.....	3
2.0 उत्पादन एवं क्षमता.....	4
3.0 भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता और आपूर्ति का	4
4.0 प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस/खतरनाक अपशिष्ट का संकेत	4
5.0 पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय तथा निर्वहन या निपटान का तरीका	5
6.0 परियोजना की पूंजीगत लागत पूरा होने का अनुमानित समय	6
7.0 परियोजना के लिए चयनित स्थल-भूमि की प्राकृतिक स्थिति – कृषि एकल/दोहरी फसल, बंजर सरकारी/निजी भूमि अधिग्रहण की स्थिति निकटवर्ती 2-3 किमी के भीतर जल निकाय जनसंख्या 10 किमी के भीतर अन्य उद्योग वन पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र सुगम्यता	6
8.0 आधारभूत पर्यावरणीय आँकड़े – वायु गुणवत्ता, सतही और भूजल गुणवत्ता मिट्टी विशेषताएँ, वनस्पति और जीव-जन्तु सामाजिक-आर्थिक स्थिति आस-पास की आबादी	7
9.0 खतरनाक सामग्री के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान और जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई	8
10.0 पर्यावरण का वायु जल भूमि वनस्पति-जीव तथा आस-पास की आबादी पर संभावित प्रभाव.....	8
11.0 प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना.....	10
12.0 जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे.....	10
13.0 सीएसआर/सीईआर योजना.....	10
14.0 व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय.....	11
15.0 परियोजना पश्चात निगरानी योजना	11

कार्यकारी सारांश

1.0 परियोजना का नाम और स्थान

यह छत्तीसगढ़ राज्य के सारंगढ़ जिले की सरिया तहसील के जोतपुर दुलमपुर और महुआपाली गांवों में स्थित 4.961 हेक्टेयर में फैली डोलोमाइट पत्थर की खदान की उत्पादन क्षमता को 1,00,000.00 टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2,00,198 टन प्रति वर्ष करने की परियोजना है। पट्टाधारक आर्यन मिनरल्स एंड मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड है, जिसके निदेशक सुशील कुमार अग्रवाल हैं। आवेदक का विवरण इस प्रकार है –

क्र.	आवेदक का नाम	गांव	भूमि का प्रकार	खसरा विवरण	क्षेत्रफल	लीज डीड	खनिज प्रकार
1.	आर्यन मिनरल्स एंड मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड, डायरेक्टर – सुशील कुमार अग्रवाल	जोतपुर दुलमपुर और महुआपाली	निजी	160 / 1क, 160 / 1ख, 160 / 1ग, 160 / 1घ, 160 / 1ड, 160 / 1च, 160 / 1छ, 160 / 2क, 160 / 2ख, 160 / 2ग, 160 / 2घ, 160 / 2ड, 16789 / 21, 16789 / 20, 16789 / 35, 16789 / 36, 16789 / 55, 16789 / 22, 16789 / 37, 106 / 9, 106 / 14, 106 / 15, 106 / 17, 106 / 11, 106 / 13, 106 / 24, 106 / 25	4.961	25 / 07 / 2067 से 24 / 07 / 2067	डोलोमाइट पत्थर

प्रस्तावित परियोजना 14.02 हेक्टेयर के समूह क्षेत्र में आती है जिसमें 3 समरूप खनिज खदानें शामिल हैं। इसलिए, EIA अधिसूचना 2006 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार, परियोजना को श्रेणी बी1 परियोजना या गतिविधि 1(ए) के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और इसका मूल्यांकन छत्तीसगढ़ के SEAC में किया जाएगा। पट्टा 4.961 हेक्टेयर क्षेत्र की एक व्यक्तिगत परियोजना है। 15 जनवरी 2016 की EIA अधिसूचना और MoEF&CC कार्यालय ज्ञापन संख्या L&11011/175/2018&IA&II (ड) दिनांक 12.12.2018 और छळज के 13 सितंबर 2018 के आदेश के अनुसार, श्रेणी बी 2 के अंतर्गत आने वाले 5 से 25 हेक्टेयर तक के सभी क्षेत्रों को समूह क्षेत्र सहित बी1 श्रेणी में माना जाएगा और इसलिए यह बी1 श्रेणी की परियोजना है।

2. उत्पादन एवं क्षमता

यह उत्पादन क्षमता को 1,00,000 टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2,00,198 टन प्रति वर्ष करने की परियोजना है।

3. भूमि, कच्चा माल, पानी, बिजली, ईंधन की आवश्यकता और आपूर्ति का स्रोत –

- **भूमि क्षेत्रफल** : कुल भूमि क्षेत्रफल 4.961 हेक्टेयर है।
- **कच्चा माल** : डोलोमाइट पत्थर के खनन के लिए किसी कच्चे माल की आवश्यकता नहीं होती है।
- **पानी** : कुल जल आवश्यकता लगभग 9.00 केएलडी होगी, जिसमें से 8.50 केएलडी धूल नियंत्रण और वृक्षारोपण में उपयोग किया जाएगा। शेष 1.00 केएलडी घरेलू प्रयोजनों (पेयजल) के लिए उपयोग किया जाएगा। जल टैंकों से और संबंधित ग्राम पंचायतों से टैंकों के माध्यम से एकत्र किया जाएगा।
- **बिजली** – खनन कार्य के लिए श्रमिकों और प्रशासनिक भवन को छोड़कर किसी भी अन्य कार्य हेतु बिजली की आवश्यकता नहीं है। बिजली राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त होगी। पट्टा क्षेत्र में विद्युत लाइन उपलब्ध है।
- **ईंधन** : खनन कार्यों और ट्रैक्टर व अन्य परिवहन वाहनों के संचालन हेतु ईंधन के रूप में डीजल का उपयोग किया जाएगा। ईंधन की मात्रा परिवहन वाहन, अन्य मशीनरी के उपयोग और अनुमानित उत्पादन की उपलब्धि के स्तर पर निर्भर करेगी। डीजल की आपूर्ति निकटवर्ती डीजल पंपों से की जाएगी।

4. प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण, विशेष रूप से गैसीय उत्सर्जन, तरल अपशिष्ट और ठोस/खतरनाक अपशिष्ट का संकेत –

- **गैसीय उत्सर्जन –**
 - 1) स्थिर स्रोत – शून्य
 - 2) गतिशील स्रोत – डीजल चालित ट्रैक्टरों, उत्खनन मशीनों आदि के उपयोग के कारण SO_x और NO_x का उत्सर्जन हो सकता है।
- **तरल अपशिष्ट –** केवल घरेलू अपशिष्ट उत्पन्न होने की उम्मीद है जिसका उपचार सेप्टिक टैंक और उसके बाद सोख गड्ढों के माध्यम से किया जाएगा।
- **ठोस अपशिष्ट–** खदान से कोई भी निम्न-श्रेणी/अपशिष्ट खनिज उत्पन्न नहीं होगा। सभी ROM (Run of Mining) खनिज पत्थर की खदानों में भवन और निर्माण सामग्री के रूप में उपयोगी और विक्रय योग्य हैं। इसलिए कोई भी निम्न-श्रेणी या अस्वीकृत खनिज उत्पन्न नहीं होगा जिसके लिए उचित निपटान प्रबंधन योजना की आवश्यकता हो।

● **माईन अपशिष्ट –**

1) ऊपरी मिट्टी

- खनन क्षेत्र से कुल 5,007 घन मीटर ऊपरी मिट्टी निकाली गई।
- 3,877 घन मीटर ऊपरी मिट्टी को 1,474.33 मीटर लंबे सुरक्षा क्षेत्र (खनन सीमा) के 7.50 मीटर चौड़े बाहरी भाग पर अधिकतम 1 मीटर की ऊंचाई और 28 डिग्री के ढलान के साथ ढेर किया जाएगा और वृक्षारोपण किया जाएगा।
- शेष 1,130 घन मीटर ऊपरी मिट्टी को पट्टे के अप्रयुक्त भाग पर संरक्षित रखा जाएगा और बाद में इसका उपयोग पट्टे के क्षेत्र के भीतर वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।

2) ओवरबर्डन –

- खनन क्षेत्र से कुल 35,046 घन मीटर ऊपरी परत (ओवरबर्डन) उत्पन्न हुई है।
- इस ऊपरी परत का उपयोग खदान के रैंप, दुलाई मार्ग के विकास और रखरखाव तथा पट्टे क्षेत्र के चारों ओर बांध के निर्माण के लिए किया जाएगा। साथ ही, इस ऊपरी परत का उपयोग हॉपर के रैंप के विकास और पट्टे क्षेत्र के भीतर प्रस्तावित क्रशर संयंत्र के लिए नींव के निर्माण और समतलीकरण कार्य के लिए भी किया जाएगा।
- शेष ऊपरी परत का उपयोग खदान बंद करने की प्रक्रिया के दौरान खोदे गए गड्ढे को भरने के लिए किया जाएगा।
- इस ऊपरी परत का उपयोग विस्फोट करके छेद खोदने के लिए स्टेमिंग सामग्री के रूप में भी किया जाएगा।
- सीजी एमएमआर 2015 के अनुसार लागू रॉयल्टी और शुल्क का भुगतान करने के बाद ऊपरी परत को पट्टे क्षेत्र से बाहर ले जाया जा सकता है।

5. पर्यावरण पर प्रभाव को कम करने के उपाय तथा निर्वहन या निपटान का तरीका

- खनन गतिविधि से पहले ऊपरी मिट्टी को हटाकर पट्टा क्षेत्र में संग्रहित किया जाएगा, जिसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।
- पट्टा क्षेत्र से उत्खनित डोलोमाइट पत्थर पूरी तरह से बिक्री योग्य होगा, जिससे पट्टा क्षेत्र में कोई डंप नहीं होगा।
- अर्ध-यंत्रिकृत खुली खदान विधि से खनिजों का उत्खनन और लदान, खनन कार्य के कारण, सामान्य खदानों से उत्सर्जन बहुत कम होता है। इससे क्षेत्र की वायु गुणवत्ता और ध्वनि की गुणवत्ता पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा।

- संकल्पनात्मक अवधि के अंत में, उत्खनित खदान को जल भंडार में परिवर्तित कर दिया जाएगा ताकि सिंचाई और मछलीपालन जैसे स्थानीय उपयोगों के लिए पानी की आपूर्ति की जा सके और साथ ही भूजल क्षमता में सुधार हो सके।

6. परियोजना की पूंजीगत लागत, पूरा होने का अनुमानित समय –

इस संपूर्ण परियोजना की कुल लागत 65.00 लाख रुपये होगी। खनन परियोजना के लिए पट्टा समझौता 25/07/2017 से 24/07/2067 तक वैध है।

7. परियोजना के लिए चयनित स्थल-भूमि की प्राकृतिक स्थिति-कृषि (एकल/दोहरी फसल), बंजर,सरकारी/निजी भूमि अधिग्रहण की स्थिति, निकटवर्ती (2-3 किमी के भीतर) जल निकाय, जनसंख्या, 10 किमी के भीतर अन्य उद्योग, वन, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र, सुगम्यता –

- **भूमि विवरण** : जोतपुर, दुलमपुर एवं महुआपाली डोलोमाइट खदान का खनन पट्टा क्षेत्र 4.961 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है।
- **जल निकाय** : निकटतम जल निकाय महानदी है जो खनन क्षेत्र से 3.60 किमी की दूरी पर बहती है।
- **पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र** : परियोजना स्थल के आसपास 10 किलोमीटर के भीतर कोई राष्ट्रीय उद्यान या वन्य जीव अभयारण्य नहीं है।
- **वन भूमि** : वनभूमि लगभग 10.00 किलोमीटर दूर है।
- **10 किमी के भीतर उद्योग** : 10 किमी के भीतर कोई नहीं।
- **जनसंख्या** : हालिया जनगणना (2011) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या (परियोजना स्थल से 10 किलोमीटर की परिधि में) 1,12,233 है। 29,623 घरों में जनसंख्या निवास करती है। पुरुषों की जनसंख्या 56,605 और महिलाओं की जनसंख्या 55,628 है। अध्ययन क्षेत्र में सबसे अधिक जनसंख्या चंद्रपुर (न.प.) (7,688) में है।

पहुँच-

1. निकटतम रेलवे स्टेशन परियोजना स्थल से लगभग 29.30 किमी दूर है।
2. निकटतम राजमार्ग सारंगढ़-रायगढ़ राजमार्ग है जो परियोजना स्थल से 9.00 किमी दूर है।
3. बिलासा देवी केवट हवाई अड्डा परियोजना स्थल से 127.00 किमी उत्तर-पश्चिम दूर है।

8. आधारभूत पर्यावरणीय आँकड़े— वायु गुणवत्ता, सतही और भूजल गुणवत्ता, मिट्टी विशेषताएँ, वनस्पति और जीव-जंतु, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आस-पास की आबादी –

विशिष्ट	स्थानों की संख्या	विवरण
वायु गुणवत्ता निगरानी विश्लेषण	8 जगहों पर सैंपलिंग की गई	PM ₁₀ – 45 to 65 µg/m ³ . PM _{2.5} – 15 to 28 µg/m ³ . SO ₂ – 6 to 15 µg/m ³ . NO _x – 7 to 19 µg/m ³ . CO – 0.2 to 1.2 µg/m ³ .
शोर स्तर का विश्लेषण	8 स्थानों पर निगरानी की गई	दिन के समय शोर का स्तर:– 42.7 to 57.0 dB (A) रात के समय शोर का स्तर:– 36.0 to 47.00 dB (A)
पानी का विश्लेषण	4 स्थानों पर भूजल के नमूने लिए गए	PH – 7.5 to 7.8 Total Dissolved Solids – 459 to 1088 mg/L Total Hardness – 252 to 312 mg/L Chlorides – 53 to 81 mg/L Sulphates – 53 to 65 mg/L
	सैंपलिंग:– 4 सतही जल पर	PH – 7.4 to 7.6 Dissolved Oxygen – 5.2 to 5.5 mg/L Total Dissolved Solids – 228 to 596 mg/L Chlorides – 51 to 121 mg/L Sulphates – 28 to 75 mg/L Total Hardness – 114 to 312 mg/L
मृदा विश्लेषण	8 जगहों पर सैंपलिंग की गई	PH – 7.5 to 7.8 Nitrogen – 142 to 245 kg/ha Phosphorus – 32 to 41 kg/ha Potassium – 105 to 234 kg/ha

वनस्पति : कोर क्षेत्र परियोजना स्थल (ए) में बहुत कम वनस्पति शामिल है जो क्लस्टर क्षेत्र (कोर जोन) के भीतर बहुत कम है। कोर जोन में आम तौर पर देखी जाने वाली वृक्ष प्रजातियाँ हैंरू बबूल निलोटिका (बबूल), ब्यूटिया मोनोस्पर्मा (पलाश), पिथेसेलोबियम डल्स (विलायटिचिंच), जबकि झाड़ियाँ जैसे कैलोट्रोपिस-गिगेंटिया (आक), लैंटाना कैमारा (गनेरी) और रिसिनस कम्युनिस (बीवर) आदि। (नैटितुलसी), स्पैरेन्थसइंडिकस (गोरखमुंडी) और डटूरा मेटेल (डैटुरो) अध्ययन क्षेत्र में प्रमुख हैं। सर्वेक्षण के दौरान कोर जोन में कोई एंड एग्रीड और एंड एमिक जीव या वनस्पति नहीं पाई गई।

जीव-जंतु : परियोजना स्थल (कोर जोन) के भीतर कैनिस ल्यूपस फैमिलियारिस (कुत्ता) और फुनम्बुलस पेन्नांटी (गिलहरी) जैसे स्तनधारी देखे गए। पक्षी जगत में कोर जोन में आमतौर

पर देखी जाने वाली स्थानीय पक्षी प्रजातियाँ जैसे कॉर्वसस्प्लेंडेंस (घरेलू कौवा) और मेरोप्सोरीएंटलिस (ग्रीनबीर्डटर) पाई गईं।

सामाजिक-आर्थिक : हालिया जनगणना (2011) के अनुसार, अध्ययन क्षेत्र (परियोजना स्थल से 10 किमी के दायरे में) की जनसंख्या 1,12,233 है। इस क्षेत्र में कार्यरत जनसंख्या 51,426 है, जबकि गैर-कार्यरत जनसंख्या 60,807 है। इसमें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे, काम करने के इच्छुक न होने वाले लोग और सेवानिवृत्ति के बाद की आयु के लोग भी शामिल हैं। कार्यरत पुरुषों की संख्या 32,722 और महिलाओं की संख्या 18,704 है, जबकि गैर-कार्यरत पुरुषों की संख्या 23,883 और महिलाओं की संख्या 36,924 है।

कुल गाँव	कुल जनसंख्या	काम करने वाली जनसंख्या		गैर-कामकाजी जनसंख्या		एस.सी. जनसंख्या		एस. टी. जनसंख्या	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
119	1,12,233	32,722	18,704	23,883	36,924	8,883	8,788	11,974	12,091

9. खतरनाक सामग्री के संचालन, प्रसंस्करण और भंडारण में खतरों की पहचान और जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा प्रणाली प्रदान की गई –

इस प्रक्रिया में कोई भी खतरनाक सामग्री शामिल नहीं है क्योंकि यह डोलोमाइट पत्थर खनन परियोजना है। निर्माण सामग्री (परिचालन और खनन चरण के दौरान) को संभालने, संग्रहीत करने और उपयोग करने के लिए अधिकांशतः गैर-खतरनाक प्रकार की सामग्री होती है।

10. परियोजना का वायु, जल, भूमि, वनस्पति-जीव तथा आस-पास की आबादी पर संभावित प्रभाव –

क्र.	विशिष्ट	प्रदूषण के संभावित स्रोत	प्रदूषण का परिमाण	नियंत्रण के उपाय	जम्मेदारी	निर्धारित समय – सीमा	निगरानी
1	वायु	- वाहनों की आवाजाही - उत्खनन - विस्फोट - लोडिंग और अनलोडिंग - पत्थर / ओवरबर्डन का परिवहन	उच्च	- मोबाइल स्प्रिंकलर - तेज ड्रिल बिट्स से गीली ड्रिलिंग - वृक्षारोपण - वाहनों का आवधिक रखरखाव - पीयूसी प्रमाणित वाहन - बैरिकेड्स जो धूल अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। - पार्किंग प्रावधान और उचित यातायात व्यवस्था	ईएमपी सेल	6 माह	सप्ताह में दो बार

2	शोर और कंपन	- विस्फोट और कंपन - वाहन की आवाजाही - मशीनरी संचालन	मध्यम	- वृक्षारोपण - नियंत्रित ब्लास्टिंग और नोनील का उपयोग - रॉक ब्रेकर का उपयोग करके द्वितीयक विस्फोट से बचें - श्रमिकों के लिए पीपीई किट - उपकरणों के लिए बाड़े (यदि कोई हो तो क्रशर) - बैरिकेड्स जो शोर अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं। - रैंप और हॉल रोड का रखरखाव - वाहनों का आवधिक रखरखाव – स्नेहन, मफलिंग और आधुनिकीकरण - रात्रि के समय ध्वनि प्रदूषणकारी कार्य न करें	ईएमपी सेल	6 माह	माह में एक बार
3	जल	- खदान जल निकासी - घरेलू सीवेज - तेल रिसाव	उच्च	- गारलैंड नालियाँ। - सेप्टिक टैंक और सोक पिट सहित अस्थायी शौचालय। - जलाशय में कोई अपशिष्ट जल नहीं छोड़ा जाएगा। - मशीनों और उपकरणों से तेल के रिसाव को रोका जाएगा।	ईएमपी सेल	12 माह	तिमाही में एक बार
4	भूमि	- सर्वोत्तम मृदा गुणवत्ता	मध्यम	- मोबाइल सिंक्रलर। - गीली ड्रिलिंग। - वृक्षारोपण। - नियंत्रित ब्लास्टिंग।	ईएमपी सेल	6 माह	साल में एक बार
5	ठोस अपशिष्ट	- ओवरबर्डन डंप - घरेलू ठोस	मध्यम	- पुनर्ग्रहण योजना - ओबी प्रबंधन - रॉयल्टी के भुगतान पर ओबी का परिवहन - निपटान टैंक	ईएमपी सेल	खदान का जीवन काल	माह में एक बार
6	भूमि उपयोग	- भूमि उपयोग में परिवर्तन	उच्च	- पुनर्ग्रहण योजना - वाहनों और उपकरणों से तेल, डीजल आदि के रिसाव से बचने के लिए सावधानियां बरती जाएंगी।	ईएमपी सेल	खदान का जीवन काल	संकल्पन आत्मक चरण पर
7	पारिस्थितिकी और जैव विविधता	- वाहनों की आवाजाही - भूमि उपयोग में परिवर्तन	मध्यम	- वृक्षारोपण - सीमा/बाड़ का निर्माण - स्थानीय लोगों को शिक्षित करना	ईएमपी सेल	6 माह	माह में एक बार
8	जोखिम और खतरा	- जलप्लावन - ढलान टूटना - विस्फोट - आग	उच्च	- खदान के नाबदान का विकास - जल निकासी और निपटान टैंक के लिए पंप - डंप ढलान स्थिरीकरण - गारलैंड नालियाँ - अग्निशामक यंत्र	ईएमपी सेल	12 माह	माह में एक बार

9	सामाजिक-आर्थिक	<ul style="list-style-type: none"> – कृषि भूमि का नुकसान – विस्फोट – जल उपलब्धता में कमी / हानि – खनन गतिविधियों के कारण स्वास्थ्य पर प्रभाव 	उच्च	<ul style="list-style-type: none"> – स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाएगा – गीली ड्रिलिंग, – मोबाइल सिंक्रलर, – नियंत्रित ब्लास्टिंग – जन सुनवाई अनुपालन – सीईआर – प्राथमिक उपचार और आवधिक चिकित्सा जाँच 	ईएमपी सेल	12 माह	साल में एक बार
---	----------------	--	------	---	-----------	--------	----------------

11. प्राकृतिक या संयंत्र आपात स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी योजना –

आपदा के प्रभाव को तैयारी, न्यूनीकरण और घटना-पश्चात पुनर्वास कार्यों के माध्यम से काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना में खतरे की पहचान के आधार पर, एक आपातकालीन योजना तैयार की गई है और परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा जिला अधिकारियों के समन्वय से, क्षति को न्यूनतम करने के लिए उसी योजना को क्रियान्वित किया जाएगा।

12. जन सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दे – अभी तक नहीं किया गया है।

13. सीएसआर/सीईआर योजना –

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ. संख्या 22-65/2017-IA-III दिनांक 01/05/2018 और 30/09/2020 के पैरा 3 और 6 के अनुसार, CER को EMP में शामिल किया गया है जो B1 परियोजनाओं के लिए CSR के स्थान पर लागू है। उत्पादन के दौरान, खदान मालिक रॉयल्टी का भुगतान करेगा और इसका 30-35% DMF और उपकर के रूप में राज्य सरकार को देगा। राज्य सरकार स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं और क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देते हुए, प्रभावित क्षेत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों के लिए DMF निधि का उपयोग करेगी। सीईआर के लिए प्रस्ताव नीचे दिया गया है-

सीईआर का प्रस्ताव नीचे दिया गया है—

क्र	आवेदक का नाम	केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड, छत्तीसगढ़ के आधार पर लागू क्षेत्र के आसपास की भूमि का वर्तमान अनुमानित बाजार मूल्य	शौचालय के साथ कार्यालय और विश्राम गृहों की लागत	मशीनरी और उपकरणों की लागत	विविध लागत	कुल परियोजना लागत (लाखों में)	खर्च किए जाने वाले पूंजी निवेश का प्रतिशत	सीईआर के लिए आवश्यक राशि (रु. में)
1.	आर्यन मिनरल्स एण्ड मेटल्स प्रायवेट लिमिटेड	50.00	5.00	5.00	15.00	75.00	2%	1,50,000

14. व्यावसायिक स्वास्थ्य उपाय—

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, उत्पादकता और अच्छे नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों से बहुत निकटता से जुड़ा हुआ है। डोलोमाइट स्टोन खनन परियोजना के खनन में व्यावसायिक स्वास्थ्य के कारक मुख्यतः धूल और भूमि क्षरण हैं। संचालन और रखरखाव आदि के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा खान नियमों और विनियमों के अनुसार होगी।

खानों में शामिल व्यावसायिक खतरे धूल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, उपकरणों से चोट लगने और ऊँचे स्थानों से गिरने से संबंधित हैं। डीजीएमएस ने इन व्यावसायिक खतरों से सुरक्षा के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रबंधन इन दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करेगा।

15. परियोजना पश्चात निगरानी योजना—

परियोजना-पश्चात पर्यावरण निगरानी, मानवजनित कारकों के प्रभाव में पर्यावरण की स्थिति में परिवर्तनों के अवलोकन, आकलन और पूर्वानुमान की एक जटिल प्रणाली है, निगरानी, परिवर्तनों का आकलन और पूर्वानुमान करने के लिए इष्टतम संख्या में मापदंडों के साथ अवलोकन की एक सूचना प्रणाली है।